विवादित सड़कों की कोर कटिंग के लिए सैंपल

सड़कों का निर्माण कम और विवाद के मामले ज्यादा

नवभारत न्यूज

गुना 17 जन. का। नगर पालिका द्वारा शहर में कराई गई सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार की परतें अब खुलने लगी हैं। शहर की घटिया सड़कों की जांच के लिए शनिवार को एक बार फिर शासन द्वारा भेजी गई उच्च स्तरीय टीम गुना पहुंची। लोक निर्माण विभाग के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में आई इस तकनीकी टीम ने विवादित सड़कों की 'कोर कटिंग' कर सैंपल लिए।

अब इन नमूनों को प्रयोगशाला भेजा जाएगा, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद नगर पालिका के निर्माण कार्यों में हुई धांधली का आधिकारिक खुलासा हो सकेगा।

शहर में घटिया सड़क निर्माण की यह शिकायत नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ द्वारा की गई थी। उनकी शिकायत के बाद ही शासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व मिलिट्री के रिटायर्ड जनरल मैनेजर रावत के नेतृत्व में भी एक टीम जांच कर चुकी है। उसी जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को पुन: सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। जांच अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने मौका मुआयना करने के बाद मीडिया से चर्चा में स्वीकार किया कि प्रथम दृष्टया गुना में सड़कों का निर्माण घटिया स्तर का हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक सैंपल ले लिए गए हैं और वे अपनी विस्तृत रिपोर्ट लैबोरेटरी परिणामों के साथ शासन को सौंपेंगे। शेखर वशिष्ठ द्वारा की गई शिकायत में मुख्य रूप से वार्ड नंबर 17 ओवरब्रिज के नीचे की सड़क, कैंट गुलाबगंज मार्ग, सिसोदिया कॉलोनी की सड़क और भगत सिंह कॉलोनी की सड़कें शामिल हैं।

इन क्षेत्रों के रहवासी लंबे समय से सड़क उखड़ने और घटिया निर्माण की शिकायत कर रहे थे। शनिवार को जब जांच टीम सड़कों की गहराई नापने और मटेरियल के नमूने लेने पहुंची, तो नगर पालिका के तकनीकी विभाग के अधिकारी भी वहां मौजूद रहे। अब सबकी निगाहें लैब रिपोर्ट पर टिकी हैं, क्योंकि रिपोर्ट में गुणवत्ता की कमी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों पर बड़ी गाज गिरने की संभावना जताई जा रही है।

लगातार शिकवे-शिकायतें

गुना नगरपालिका क्षेत्र की सड़कें लगातार विवादों में रही हैं। नेता प्रतिपक्ष से लेकर कांग्रेस ही कुछ नेताओं द्वारा शिकायत की गई। इससे पहले भी शहर में मुख्यमंत्री अद्योसंरचना के तहत बनाई गई सड़कों की जांच हो चुकी है। लेकिन अभी तक इनकी रिपोर्ट का भी इंतजार है।

सड़क निर्माण को लेकर लगातार शिकवे-शिकायतें हो रहे हैं। नानाखेड़ी से लेकर हनुमान चौराहे तक सड़कें भी विवाद में रही हैं। सिसौदिया कॉलोनी जाने वाले सड़क मार्ग की कई शिकायतें सामने आई, जिसके बाद यहां मरम्मत कराई गई।

सड़कें जो विवादों में रहीं

इससे पहले गुना से बजरंगगढ़ रोड जाने वाले मार्ग को लेकर काफी विवाद हो चुका है। हालांकि यह रास्ता पीडब्ल्यूडी के अधीन आता है। लेकिन कांग्रेस ने यहां प्रदर्शन करते हुए जमकर हंगामा किया था। इसी तरह नई सड़क में अलग-अलग निर्माण कार्यों के दौरान विवाद सामने आ चुके हैं। कुल मिलाकर शहर में सड़कें कम बन रही हैं और विवाद की जानकारियां सामने आ रही हैं।

नाबालिग को आत्महत्या के लिए उकसाने वालों पर कार्रवाई की मांग

गुना। आरोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम देहरी कला में 16 वर्षीय नाबालिग अंकित केवट द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में शनिवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आरोपियों पर कार्रवाई न होने और स्थानीय पुलिस की संदिग्ध कार्यप्रणाली से नाराज पीड़ित परिवार और बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे, जहाँ उन्होंने पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी को ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की। ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और जांच निष्पक्ष नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

घटनाक्रम के अनुसार, 14-15 जनवरी की दरम्यानी रात 16 वर्षीय अंकित केवट ने आत्महत्या कर ली थी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि गांव का ही दबंग सादीन खान और उसके अन्य साथी अंकित को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। परिजनों का दावा है कि अंकित ने आरोपियों को एक बड़ी रकम और अपनी मोटरसाइकिल भी दे दी थी, इसके बावजूद उस पर दबाव बनाया जा रहा था। ग्रामीणों ने एसपी को बताया कि सादीन खान और उसके गिरोह ने गांव में आतंक और भय का माहौल बना रखा है। यह समूह अवैध रूप से जुआ सट्टा खिलाने, रंगदारी करने और जमीन व मोटरसाइकिल गिरवी रखकर मोटा ब्याज वसूलने का काम करता है, जिससे ग्रामीण त्रस्त हैं। ज्ञापन के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। पीड़ितों ने देहरी कला बीट प्रभारी करण भदौरिया की जांच पर संदेह जताते हुए उन्हें तत्काल जांच से हटाने की मांग की है। साथ ही, एक प्रधान आरक्षक को भी इस पूरे मामले से अलग रखने का निवेदन पुलिस अधीक्षक से किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक जांच किसी अन्य अधिकारी को नहीं सौंपी जाती, तब तक उन्हें निष्पक्ष न्याय की उम्मीद नहीं है।

महादेव मंदिर में विहिप-बजरंग दल की जिला बैठक संपन्न

गुना। शहर के ऐतिहासिक पीपलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। दीप प्रज्वलन और भगवान श्री राम के पूजन-अर्चन के साथ शुरू हुई इस बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और सामाजिक दायित्वों पर विस्तार से मंथन किया गया।

बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सक्रिय और सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्यकताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। पदाधिकारियों ने कार्यकताओं को 'धर्म रक्षा निधि' का लक्ष्य निर्धारित करते हुए समाज के हर वर्ग तक पहुंचने का आह्वान किया।

कार्यकर्ताओं को सौंपे नए दायित्व, धर्म रक्षा का लिया संकल्प

जिला सह संयोजक गौरव कुशवाहा ने मंच संचालन करते हुए बैठक की कार्यवाही को आगे बढ़ाया। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से प्रांत सह मंत्री मलखान सिंह राजपूत, प्रांत मठ मंदिर अर्चक पुरोहित मुन्ना लाल शास्त्री, विभाग मंत्री दिलीप कुशवाह और विभाग संगठन मंत्री वीर सिंह योगी उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष इमारत सिंह सोलंकी सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकताओं को संगठनात्मक दिशा-निर्देश दिए। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि कार्यकताओं को एकजुट होकर सेवा, संस्कार और सुरक्षा के भाव के साथ समाज हित में कार्य करना चाहिए।

दुर्गा वाहिनी और प्रखंड टोलियों की उपस्थिति

बैठक में केवल जिला कार्यकारिणी ही नहीं, बल्कि जिला बजरंग दल टोली, नगर एवं प्रखंडों की टोलियां और दुर्गा वाहिनी की बहनें भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुईं। पदाधिकारियों ने आगामी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यकताओं को क्षेत्रीय स्तर पर सक्रिय होने के निर्देश दिए। कार्यक्रम का समापन संगठन की एकता और धर्म रक्षा के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विश्वास दिलाया कि वे सौंपे गए नवीन दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करेंगे।

भाजपा पगारा मंडल की कार्यकारिणी घोषित

गुना। भारतीय जनता पार्टी के पगारा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कुशवाह ने जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार की सहमति से मंडल की कार्यकारिणी घोषित कर दी है। इसके मुताबिक उपाध्यक्ष सौरभ रघुवंशी, परमाल खरे, माखन तोमर, प्रताप जाट, भास्कर रघुवंशी, सोनू यादव, दिलीप शर्मा को नियुक्त किया है। महामंत्री देशराज धाकड़, नीलेंद्र शाक्य नियुक्त किए गए हैं। मंत्री पद की जिम्मेदारी कृष्णपाल यादव, संजू लोधा, उमा परिहार, सतेंद्र सेन, कृष्णकुमार शर्मा, प्रकाश रघुवंशी और आशा परिहार को दी गई है। कोषध्यक्ष रामस्वरूपी बाई नियुक्त की गई है। सह कोषाध्यक्ष अमित धाकड़, मीडिया प्रभारी कपिल रघुवंशी को नियुक्त किया गया है।

तपस्या की अनूठी मिसाल : गांव को राष्ट्र माता और हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग

गुना। जब मन में संकल्प हिमालय जैसा ऊंचा हो और हृदय में मां की भक्ति अटूट हो, तो संसाधन कभी आड़े नहीं आते, इसे गुना के टेकरी रोड निवासी रामचरण सनातनी ने सच कर दिखाया है। रामचरण अपने भतीजे हेमेंद्र सनातनी के साथ हनुमान टेकरी से जम्मू स्थित मां वैष्णो देवी के दरबार तक 1250 किलोमीटर की कठिन दंडवत यात्रा पर निकले हैं। यह यात्रा कोई साधारण सफर नहीं है, बल्कि आस्था और कड़े परिश्रम की एक ऐसी कहानी है जिसे पूरा होने में लगभग 18 महीने का समय लगेगा। इस ऐतिहासिक और चुनौतीपूर्ण यात्रा के पीछे रामचरण का बरसों का संघर्ष छिपा है। वे बसों और यात्री वाहनों में आयुर्वेदिक दवाएं बेचकर अपना जीवनयापन करते हैं और इसी मेहनत की कमाई से पाई-पाई जोड़कर उन्होंने इस लंबी धार्मिक यात्रा का खर्च एकत्रित किया है। रामचरण ने बताया कि यात्रा की शुरूआत में ही रथ बनवाने और अन्य पूजन सामग्री जुटाने में उनके लगभग 7 हजार रुपए खर्च हो चुके हैं, लेकिन मां के प्रति अटूट श्रद्धा के आगे उन्हें इस आर्थिक बोझ की कोई चिंता नहीं है। इस यात्रा के माध्यम से फूफा-भतीजे की यह जोड़ी राष्ट्र कल्याण के दो बड़े संकल्प लेकर चल रही है।

ओ.एम.आर. शीट पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

गुना। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशन में आयोजित ओलंपियाड प्रतियोगिता (वर्ड पावर चैम्पियनशिप) 2025-26 का दूसरा चरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिले के कक्षा 2 से 8वीं तक के उन 3339 बच्चों ने इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिनका चयन प्रथम चरण में हुआ था। यह परीक्षा 16 और 17 जनवरी को जिले के पाँचों विकासखण्ड मुख्यालयों पर बनाए गए केंद्रों पर आयोजित की गई। बच्चों को परीक्षा केंद्रों तक पहुँचाने के लिए प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जिले के 52 जनशिक्षा केंद्रों से विद्यार्थियों को लाने के लिए कुल 24 रूट निर्धारित किए गए, जिनमें बस एवं छोटे वाहनों के माध्यम से बच्चों को परीक्षा केंद्र लाया गया और परीक्षा के बाद उन्हें सुरक्षित घर पहुँचाया गया। सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों, उनके पालकों और शिक्षकों के लिए गरिमामय भोजन की व्यवस्था की गई। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

बीनागंज मंडी सचिव और एएसआई निलंबित, अवैध ट्रक छोड़ने के मामले में गिरी गाज

गुना। मंडी प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक ने बीनागंज मंडी के दो अधिकारियों पर निलंबन की गाज गिराई है। बीनागंज कृषि उपज मंडी में पदस्थ प्रभारी सचिव देवेंद्र मीणा और एएसआई जसरथ सिंह को कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने और मंडी समिति को आर्थिक क्षति पहुंचाने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक और आयुक्त कुमार पुरुषोत्तम ने यह आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि उक्त अधिकारियों ने मूंगफली से भरे एक ट्रक को अवैध रूप से मंडी शुल्क चुकाए बिना जाने दिया, जिससे शासन के राजस्व का भारी नुकसान हुआ है। 30 दिसंबर की रात का है, जब मूंगफली से लदा एक ट्रक बीनागंज मंडी में अवैध रूप से दाखिल हुआ था। तैनात एएसआई जसरथ सिंह ने ट्रक को पकड़ा भी और वह पूरी रात मंडी परिसर में ही खड़ा रहा, लेकिन अगली सुबह उस पर नियमानुसार दांड़िक मंडी शुल्क वसूलने या संबंधित फर्म के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के बजाय उसे चुपचाप जाने दिया गया। इस गंभीर शिकायत के बाद मंडी बोर्ड ने जब परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, तो उसमें ट्रक के आने और अगली सुबह बिना किसी वैधानिक कार्यवाही के जाने की पुष्टि हो गई। साक्ष्यों के आधार पर दोषी पाए जाने पर प्रभारी सचिव और एएसआई के विरुद्ध यह बड़ी कार्यवाही की गई है। निलंबन की इस अवधि के दौरान दोनों अधिकारियों के मुख्यालय भी बदल दिए गए हैं। प्रभारी सचिव देवेंद्र मीणा को ग्वालियर और एएसआई जसरथ सिंह को सागर अटैच किया गया है। प्रबंध संचालक की इस त्वरित कार्यवाही से मंडी कर्मचारियों और अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। यह कार्यवाही स्पष्ट संकेत देती है कि मंडी शुल्क की चोरी में सहयोग करने या शासन के हितों की अनदेखी करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। मामला उजागर होने के बाद अब अन्य व्यावसायिक गतिविधियों और पुराने रिकॉर्ड्स की भी गहनता से जांच होने की संभावना जताई।

निजी अस्पतालों ने किया रेफर, बच्चादानी डेमेज, डॉ. राजपूत ने बचा ली जान

गुना। जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सतीश राजपूत एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और मानवीय दृष्टिकोण के कारण चर्चा में हैं। दो अलग-अलग जटिल मामलों में उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर न केवल प्रसूताओं की जान बचाई, बल्कि उन परिवारों में खुशियां लौटाईं जो उम्मीद खो चुके थे। पहला मामला अशोकनगर जिले के पिपरई निवासी राजाना पति सैफ अली खान का है। जिन्हें प्रसव पीड़ा के चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज दूसरी बार गर्भवती थी और उनका पहला बच्चा भी ऑपरेशन से हुआ था। जांच के दौरान पाया गया कि मरीज को पिछले एक दिन से प्रसव पीड़ा हो रही थी और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण बच्चे की धड़कन लगातार कम हो रही थी। डॉ. सतीश राजपूत ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल परिजनों को वस्तुस्थिति बताई और ऑपरेशन का निर्णय लिया। सर्जरी के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि मरीज की बच्चेदानी फट चुकी थी। ऐसी स्थिति में जान का जोखिम बहुत अधिक था, लेकिन डॉ. राजपूत और उनकी टीम ने सूझबूझ से काम लिया। मरीज को खून चढ़ाया गया और समय रहते सफल ऑपरेशन कर जच्चा-बच्चा दोनों को सुरक्षित बचा लिया गया। दूसरा मामला हाट बरखेड़ा निवासी सुनील कुशवाह की पत्नी रेखा का था। केस इतना जटिल था कि शहर के कई निजी अस्पतालों ने हाथ खड़े कर दिए थे और परिजनों को शिवपुरी या भोपाल जाने की सलाह दे डाली थी। हताश होकर सुनील डॉ. सतीश राजपूत से मिले। डॉक्टर ने पूरी संवेदनशीलता के साथ मामले को समझा और अस्पताल में ही ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। सुनील के लिए डॉ. राजपूत किसी फरिश्ते से कम साबित नहीं हुए।

गुना में बड़ा हादसा टला, पेट्रोल पंप के सामने होटल में लगी भीषण आग, सूझबूझ से बचीं कई दुकानें

गुना। शहर के व्यस्ततम बस स्टैंड क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक होटल में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद लोगों और होटल संचालक की सतर्कता से एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, वरना आसपास के कई प्रतिष्ठान इसकी चपेट में आ सकते थे।

घटना शनिवार सुबह करीब 10:45 बजे की है। बस स्टैंड पर स्थित पेट्रोल पंप के ठीक सामने संचालित श्री राधा की रसोई होटल में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। व्यस्त इलाका और पास में ही पेट्रोल पंप होने के कारण आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते धुएं का गुबार आसमान में छाने लगा। आगजनी की यह घटना विकराल रूप ले सकती थी, लेकिन होटल संचालक की दूरदर्शिता काम आई। होटल में अग्निशमन यंत्र मौजूद थे, जिनका तुरंत उपयोग शुरू किया गया। इसी बीच, पड़ोस के एक अन्य संस्थान के कर्मचारी भी अपने पास मौजूद फायर सिलेंडर लेकर मदद के लिए दौड़ पड़े। सामूहिक प्रयासों और सूझबूझ से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, होटल संचालक का कहना है कि कोई बड़ा आर्थिक नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन स्थानीय दुकानदारों ने भवन मालिक के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने दबी जुबान में आरोप लगाया है कि भवन मालिक द्वारा बिजली की फिटिंग और मेंटेनेंस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बिजली के तार आपस में उलझे हुए हैं, जिससे आए दिन स्पार्किंग का खतरा बना रहता है। शनिवार को हुई यह घटना भी इसी लापरवाही का नतीजा मानी जा रही है। जिस इमारत में होटल संचालित है, वहां अन्य कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी हैं। यदि आग बेकाबू होती, तो पूरी बिल्डिंग इसकी चपेट में आ सकती थी। समय पर आग बुझने से प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

विरोध इंदौर जल त्रासदी और मनरेगा के मुद्दों पर बापू पार्क में रखा उपवास

गुना में कांग्रेस का मौन प्रहार, अव्यवस्थाओं के खिलाफ विरोध

गुना। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी और जिला अध्यक्ष जयवर्धन सिंह के निर्देश पर, शनिवार को गुना जिला मुख्यालय पर कांग्रेस नेताओं ने एक दिवसीय शांतिपूर्ण उपवास रखा। शहर के बापू पार्क में सुबह 11 बजे एकत्रित हुए कांग्रेस कार्यकताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर भाजपा सरकार की नीतियों, भ्रष्टाचार और प्रदेश में व्याप्त अव्यवस्थाओं के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। पूर्व जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने इंदौर के भागीरथपुरा में जहरीले पानी से हुई 24 मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जब पूरा तंत्र भाजपा का है, उसके बावजूद वे इंदौर जैसे शहर में जनता को स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में हालात कितने विकराल होंगे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी आज इंदौर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर 'मनरेगा' योजना को कमजोर करने का आरोप लगाया। धाकड़ ने आशंका जताई कि भाजपा सरकार, डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में शुरू की गई इस जनहितैषी योजना को खत्म करने का षड्यंत्र रच रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गरीबों के रोजगार के अधिकार को छीना गया, तो कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन करेगी।

सरकार विफलता का आरोप

पूर्व शहर जिला अध्यक्ष हरिशंकर विजयवर्गीय ने कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार आज पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर यह उपवास रखा गया है। उन्होंने कहा, इंदौर की घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र की विफलता है। कांग्रेस पार्टी गांधीवादी विचारधारा पर चलते हुए शांतिपूर्ण तरीके से सरकार को चेतावनी दे रही है कि जनता के हक और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपवास के दौरान कांग्रेस ने इंदौर में जहरीले पानी से हुई 24 मौतों के लिए जिम्मेदार तंत्र पर कार्रवाई की मांग उठाई है। मनरेगा योजना के बजट में कटौती और इसे बंद करने की साजिश का विरोध जताया। इसके साथ ही भाजपा सरकार के कार्यकाल में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के विरुद्ध शंखनाद किया है।

बालाजी फिलिंग स्टेशन पर खाद्य विभाग का छापा, माप यंत्र मिला लीकेज, प्रकरण दर्ज

गुना। आम जनता को गुणवत्तापूर्ण और सही मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार शनिवार को खाद्य विभाग के दल ने फतेहगढ़ स्थित 'मेसर्स बालाजी फिलिंग स्टेशन' का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पंप पर कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद विभाग ने पेट्रोल पंप संचालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर मामले को कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है। जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पाण्डेय के मार्गदर्शन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी इंदू शर्मा और आशीष चतुर्वेदी के दल ने इस कार्यवाही को अंजाम दिया। निरीक्षण के दौरान पंप के मैनेजर रितिक नागर की उपस्थिति में डीजल और पेट्रोल की गुणवत्ता और स्टॉक की जांच की गई। जब स्टॉक और डेंसिटी (घनत्व) का मिलान किया गया और रिकॉर्ड खंगाले गए, तो पाया गया कि स्टॉक रजिस्टर में डीजल व पेट्रोल की मीटर रीडिंग दर्ज नहीं थी। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को तेल मापकर देने वाला 5 लीटर का प्रामाणिक माप यंत्र भी लीकेज पाया गया, जो सीधे तौर पर ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी और सुरक्षा नियमों की अनदेखी है।

।। जाहिर सूचना ।।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने संजय पुत्र ऊधमसिंह जाति जादौ निवासी डोंगर तहसील मधुसूदनगढ़ जिला गुना (म.प्र.) से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि सर्वे क्र.90/1/1/1/4 रकवा 3.323 है0. मे से रकवा 1.987 है. भूमि स्थित ग्राम बरखेडी श्याम प.ह.न. 18 तहसील मधुसूदनगढ़ जिला गुना (म.प्र.)

उक्त संपत्ति की चतुर्थ सीमाएं निम्नानुसार दिशा पूर्व मे:- श्री रूपसिंह, सागरसिंह जादौ की भूमि, दिशा पश्चिम में:- जंजाली - मधुसूदनगढ़ रोड़, दिशा उत्तर में:- सरोज पत्नी लोकेन्द्र सिंह यादव की भूमि, दिशा दक्षिण में:- नाला को मेरे पक्षकार मुकेश अग्रवाल पुत्र डालचंद्र अग्रवाल निवासी 104 -, शेखर एन्क्लेव, लक्ष्य विहार कॉलोनी, इंदौर जिला इंदौर (म.प्र.) विक्रय - अनुबंध पत्र उपपंजीयक कार्यालय राघौगढ़ में दिनांक 04/11/2025 में करा लिया गया है जिसका दस्तावेज़ क्रमांक MP24IGR 17372025A100992775 है। जिसमें विक्रय-धन राशि का अग्रिम राशि का भुगतान कर दिया गया है कर टोकन राशि अदा कर दी है। यदि उपरोक्त भूमि पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, बैंक आदि का किसी भी प्रकार का कोई हक या अधिकार हो अथवा कोई आपत्ति हो या उक्त वर्णित भूमि कहीं कोई अनुबंध,विक्रय, दान गिरवी, हिया, वसीयत, हस्तांतरण इत्यादि हो तो वह अपनी आपत्ति इस सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय मे मय दस्तावेज़ के उपस्थित होकर प्रस्तुत करे। समय अवधि निकल जाने के पश्चात कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरे पक्षकार उक्त भूमि के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेवेगे। तदानुसार सूचित हो।

एडवोकेट जे. के. मंगल
सदर बाजार मधुसूदनगढ
मोबाइल नं. :- 9893886878